नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 242 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, सोमवार 11 जुलाई 2022

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

पेज -3 पर

कलेक्टर ने सिटोंगा में बांकी नदी उद्गम स्थल का किया मुआयना

शिक्षकों की समस्या से जूझ रही जिले की शिक्षा व्यवस्था

पेज -4 पर

एक नजर

मरीन ड्राइव में कूदकर युवती ने की आत्महत्या

रायपुर । तेलीबांधा थाना क्षेत्र स्थित मरीन ड्राइव तालाब में आज सुबह एक युवती ने कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर मौके में पहुंची तेलीबांधा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतका युवती शंकरनगर के गांधीनगर की रहने वाली थी। बताया जाता है कि अभी कुछ दिन पहले ही उसकी प्रेमी की रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई थी। जिसके बाद से वह सदमे थी। जिसके चलते उसने यह कदम उठाई होगी। बहरहाल पुलिस मामले को जांच में लिया है। वहीं परिजनों से पूछताछ कर रही है।

8 पार्षद भाजपा से निष्कासित

महासमुंद । नगर पालिका से भाजपा के निर्वाचित नपाध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर के खिलाफ कांग्रेस द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव में समर्थन किए जाने के आरोप में प्रदेश भाजपा ने 8 भाजपाई पार्षदों को तत्काल प्रभाव से पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। निष्कासित पार्षदों में मीना वर्मा, पवन पटेल, महेंद्र जैन, हफीज कुरैशी, माधवी सिक्का, मंगेश टांकसाले, मुन्ना देवार, मनीष शर्मा शामिल है।

'सुरक्षित गुरुवार' स्कूलों को महामारी से बचाने का प्रयास : डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम

स्कूलों में प्रत्येक गुरुवार को आधा घंटा महामारी से बचाव के तरीके एवं सुरक्षित व्यवहार संबंधी गतिविधियां होगी संचालित

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कोविड महामारी से बचाव के लिए 'सुरक्षित गुरूवार' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'सुरक्षित गुरुवार' की अवधारणा ना सिर्फ बच्चों को सुरक्षित रखेगा अपितु स्कूल के व्यवस्थित संचालन में यह मील का पत्थर साबित होगा। भविष्य में ऐसी महामारियों के लिए यह कार्यक्रम जागरूकता हेतु उत्कृष्ट प्रयास है। मुझे विश्वास है छत्तीसगढ़ की शिक्षा पूर्ण रूप से कोरोना से सुरक्षित रहेगा।

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि इस शताब्दी की सबसे बड़ी महामारी कोरोनाकाल में स्कूल बंद हुए और बच्चे घरों में कैद हो गए। बच्चों के लिए यह

अत्यंत कठिन दौर था। इन परिस्थितियों में बच्चों के द्वारा सुरक्षित व्यवहार के माध्यम से अपने आपको तथा परिवार को प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित कैसे रखें। इसको ध्यान में रखकर सुरक्षित गुरुवार की अवधारणा को प्रारंभ किया गया है। सुरक्षित गुरुवार में प्रत्येक गुरुवार को आधा घंटा महामारी से बचाव के तरीके एवं सुरक्षित व्यवहार को लेकर शालाओं में कार्य किया जाएगा, पाठ को लेकर वीडियो का भी निर्माण किया गया है। इसके साथ ही 'सुरक्षित गुरुवार' किताब

स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. टेकाम ने 'सुरक्षित गुरुवार' कार्यक्रम का किया शुभारंभ

में क्यूआर कोड डाला गया है, जिससे आसानी से पूरी प्रक्रिया शिक्षक और बच्चे समझ सके।

उल्लेखनीय है कि कोविड महामारी ने कई क्षेत्रों में अपना प्रभाव डाला, शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़ी हानि हुई है। वर्तमान में सरकार ने सभी स्कूल खोल दिए हैं तो यह जरूरी है कि कोविड अनुरूप व्यवहारों को मजबूत किया जाए। इसी प्रयास को 'सुरक्षित गुरुवार' साकार करने का एक सशक्त माध्यम है।

अजब कहानी गजब कारनामा

बिना भू-अर्जन ठेकेदार ने भवन मालिकों को बांटा भवनों का मुआवजा

जोहार छत्तीसगढ़.- धरमजयगढ़।

धरमजयगढ़ से कापू मार्ग का उन्नयन किया जा रहा है जिसके जद में नगर के तीन वार्ड सहित 13 गांव आ रहे हैं जहां ठेकेदार की मनमानी से लोग इतने परेशान हैं कि मुख्यमंत्री के यहां जाकर शिकायत की तैयारी कर रहे हैं। वहीं नित्य नए कारनामे इस ठेकेदार के रोज सामने आ रहे हैं। जहां एक ओर बिना भू-अर्जन किए किसानों की जमीन पर कब्जा कर निर्माण कार्य शुरू किया गया है वहीं इस ठेकेदार ने भू-अर्जन किए बिना सड़क मार्ग के दोनों ओर निर्मित भवनों झोपड़ियों का मनमानी तरिके से स्वयं एनजीओ से मूल्यांकन कराकर बंदरबांट कर दिया गया है। जिसकी शिकायत करने वाले लोगों की लंबी लिस्ट है।

यहां यह बताना लाजिमी है कि ठेकेदार ने बिना राजस्व विभाग के अधिकारियों से प्रकरणों की जांच कर अपने चहेते लोगों को राशि का चेक दे दिया जो लगभग 70 प्रतिशत है, 30 प्रतिशत लोगों ने चेक लेने से इंकार कर दिया है। यह जांच का विषय है कि क्या प्रकरण में एवार्ड हुए बिना भुगतान किया जा सकता है और क्या शासकीय राशि को ठेकेदार को बांटने का अधिकार है? अब देखना है कि ठेकेदार की मनमानी पर प्रशासन कब लगाम लगाती है और क्या कार्यवाही करती है।

छत्तीसगढ़ में तेज़ी से बढ़ रहे कोरोना के आंकड़े

दुर्ग,रायपुर और बिलासपुर में मिल रहे अधिक मरीज़

रायपुर । छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या दोबारा बढ़ रही है. पिछले 3 दिन से प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 2 प्रतिशत से ज्यादा ही रह रही है. शनिवार को पॉजिटिविटी दर 2.53 प्रतिशत है. तीन जिले कोरोना के हॉटस्पॉट बने हुए हैं. जो रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग है।

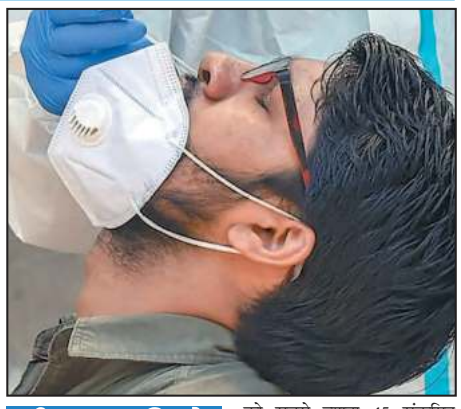

शुक्रवार को 10187 सैंपल की जांच की गई. जिसमें 23 जिलों में 258 संक्रमित मरीज मिले. टोटल एक्टिव केसों की संख्या 1455 हो गई है. शनिवार को कोरोना से तीन लोगों की मौत हुई है. राहत की बात ये रही कि पांच जिलों में एक भी कोरोना मरीज नहीं मिला. ये जिले बस्तर संभाग के कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, बीजापुर जिले हैं।

तीन संक्रमितों की हुई मौत

छत्तीसगढ़ में कोरोना मरीजों की संख्या 1455 हो गई है. प्रदेश में सबसे ज्यादा एक्टिव मरीज रायपुर में 276 है. इसके अलावा दुर्ग में 265 और बिलासपुर में 134 एक्टिव मरीज है. शनिवार को सबसे ज्यादा 45 संक्रमित मरीज दुर्ग में मिले. इसके अलावा रायपुर में 40, बिलासपुर में 29, बलौदाबाजार में 17, राजनंदगांव में 23, बेमेतरा में 20, रायगढ़ में 11, जांजगीर 10, सरगुजा में 9, कोरिया, बालोद में 7, सूरजपुर और कोरबा में 5, बलरामपुर में 4, कबीरधाम में 3, धमतरी में 6, महासमुंद में 5, गरियाबंद, गौरेला पेंड्री मरवाही, बस्तर में 1-1 मरीज मिला हैं।

मछुआ नीति को केबिनेट की अगली बैठक में दी जाएगी मंजूरी : मुख्यमंत्री

मछुआ समाज के भवन के लिए 01 करोड़ रूपए की मंजूरी

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि प्रदेश की मछुआ नीति को केबिनेट की अगली बैठक में मंजूरी दी जाएगी। मछुआ नीति का प्रारूप तैयार कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने आज राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ निषाद केंवट समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाज के लोगों के हित में राज्य

सरकार द्वारा नीति बनाई जाती है, लेकिन इसका अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिलाने का दायित्व समाज का है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में मछलीपालन को कृषि का दर्जा दिया गया है। इस नीति के तहत मछलीपालन करने वाले लोगों को किसानों के जैसे बिना ब्याज का ऋण तथा बिजली शुल्क में छूट दी जा रही है। इन प्रावधानों का लाभ उठाने के लिए समाज के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में सामने आना चाहिए।

'आइटम गर्ल' पर भड़की सियासत

मंत्री कवासी लखमा बोले-यह आदिवासियो का अपमान, बयान के लिए माफी मांगे अजय चंद्राकर

रायपुर. भाजपा विधायक अजय चंद्राकर के 'आइटम गर्ल' वाले बयान पर छत्तीसगढ़ की राजनीति गर्म होती दिख रही है। आबकारी और उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने चंद्राकर के बयान को आदिवासी समाज का अपमान बताया है। उन्होंने इस बयान के लिए अजय चंद्राकर को माफी मांगने को कहा है।

रायपुर में शंकर नगर स्थित आवास पर पत्रकारों से चर्चा में आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने कहा, अजय चंद्राकर ने उनके लिए आइटम गर्ल शब्द प्रयोग कर उनका ही नहीं बस्तर के आदिवासी समाज का भी अपमान किया है। उनकी

भावना और आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है। चंद्राकर का बयान आने के बाद उनको बस्तर के तमाम समाज प्रमुखों का फोन आ रहा है।

भाजपा नेतृत्व से भी कार्रवाई की मांग - कवासी लखमा ने कहा, वे भाजपा नेतृत्व से भी पूछना चाहते हैं कि वे अजय चंद्राकर के इस बयान से सहमत हैं। क्या रमन सिंह इस बात से सहमत हैं। क्या विष्णुदेव साय और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक अपने विधायक के इस बयान से सहमत हैं। अगर नहीं हैं तो भाजपा बताए कि वह क्या कार्रवाई कर रही है।

छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों में होगी झमाझम बारिश

रायपुर । छत्तीसगढ़ में आज भारी बारिश की आशंका को देखते हुए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी कर दिया है. प्रदेश के बीजापुर, बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा और नारायणपुर के लिए जारी रेड अलर्ट में भारी बारिश और बिजली गिरने की आशंका जताई गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने के आसार हैं. प्रदेश के दक्षिण इलाके में स्थित बीजापुर, बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा और नारायणपुर जिलों में जहां भारी बारिश के आसार हैं, वहीं बालोद, कांकेर,कोंडागांव और गरियाबंद जिले के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया गया है. वहीं राजनांदगांव और धमतरी जिले के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है. पिछले 24 घंटों की बात करें तो सबसे ज्यादा 12 सेमी बारिश बीजापुर में दर्ज की गई है।

राजनीति... पोड़ी उपरोड़ा और उदयपुर ब्लॉक के 19 सरपंच पहुंचे हरिहरपुर

हसदेव की लड़ाई में सरपंच संघ भी कूदा

रायपुर/उदयपुर। छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य क्षेत्र में खनन परियोजनाओं के खिलाफ चल रही लड़ाई में सरपंच संघ भी कूद गया है। रविवार को कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा और सरगुजा जिले के उदयपुर ब्लॉक के 19-20 गांवों के सरपंच हरिहरपुर पहुंचे। वहां पिछले तीन महीनों से धरना दे रहे ग्रामीणों से मुलाकात के बाद उन्होंने आंदोलन में साथ देने की घोषणा कर दी है।

बरसात के बीच धरना स्थल पर बने झोपड़ीनुमा पांडाल में आंदोलनकारी जमे रहे। वहां पहुंचे पोड़ी-उपरोड़ा सरपंच संघ के अध्यक्ष सोहन सिंह श्याम ने कहा

कि यह पीढ़ियों के जल, जंगल ,जमीन को बचाने की लड़ाई है। वनाधिकार मान्यता कानून के तहत पात्र लोगों के अधिकार पत्र तो बन नहीं पाते, लेकिन कंपनियों को फर्जी कार्रवाईयों के आधार पर पूरा जंगल जमीन सौंप दिया जाता है। बाद में सरपंचों ने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन भेजा है। इसमें हसदेव अरण्य क्षेत्र में ग्राम सभाओं के निर्णय का पालन कर कोल ब्लॉक को जारी वन स्वीकृति एवं भूमि अधिग्रहण को निरस्त करने की मांग की गई। सरपंच संघ ने परसा कोल ब्लॉक के लिए ग्राम सभा का फर्जी प्रस्ताव तैयार करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों पर भी कार्रवाई की मांग की है। इस ज्ञापन पर घाटबर्रा, साल्ही, बंजारी, पतुरियाडांड, रिंगनिया, मानिकपुर, गुरसियां, सरभोका, मुडगांव, पलका, पचरा, सलवा, ललाती, बासेन, एतमानगर, जामडीह, मतनाही, धजाक आदि ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने हस्ताक्षर किए हैं। हरिहरपुर में धरना स्थल पर सैकड़ों की संख्या में दूसरे गांवों से भी लोग पहुंचे।

मुख्यमंत्री को चातुर्मास कलश स्थापना के कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण

रायपुर। भूपेश बघेल से कल शनिवार को उनके निवास कार्यालय में विशुद्ध वर्षायोग समिति 2022 के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने 12 जुलाई को प्रस्तावित चातुर्मास कलश स्थापना के कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री श्री बघेल को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने आमंत्रण के लिए प्रातिनिधि मण्डल को धन्यवाद दिया। प्रतिनिधि मंडल में समिति के अध्यक्ष श्री प्रदीप पाटनी, महामंत्री श्री राकेश कन्नू बाकलीवाल, उपाध्यक्ष श्री मनीष बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष श्री मनोज सेठी व प्रचार प्रसार समिति के श्री स्टार

जैन उपस्थित थे। विशुद्ध वर्षायोग 2022 समिति के प्रवक्ता श्री अरविंद जैन ने बताया कि चर्या शिरोमणि संत आचार्य 108 विशुद्ध सागर जी महाराज जी का ससंघ 22 साधुओं का चातुर्मास राजधानी रायपुर के श्री दिगम्बर जैन मंदिर फाफाडीह में होना है।

फिर जल उठी लंका: जनता के संदेश को समझने की जरूरत

इस बार ये आग रामभक्त हनुमान की पूंछ ने नहीं लगाई है, क्योंकि अब न तो लंका सोने की रह गई है और न पीतल की। अब लंका को जलाने वाली खुद वहां की बदहाल, परेशान जनता है जो लंबे समय से भूख, गरीबी और भीषण महंगाई के बीच जीने को अभिशप्त हो गई है। महंगाई तो छोड़िए, वहां के सत्ताधारियों ने जनता के लिए कुछ छोड़ा ही नहीं है। तमाम तीसरी दुनिया के देश कर्ज लेते हैं और तकरीबन हर देश अमेरिका, चीन, जापान, रूस जैसे विकसित देशों के कर्जजाल में फंसा हुआ है।

पाकिस्तान हो नेपाल हो, बांग्लादेश हो या फिर श्रीलंका, इन अमीर देशों की नजर में भारतीय उपमहाद्वीप के इन देशों को अपना आर्थिक गुलाम बनाने की प्रक्रिया बदस्तूर जारी रहती है। रिश्ते बेहतर बनाने और मदद के नाम पर यहां के हर सत्ताधारी विकास का हवाला देकर इस चक्रव्यूह में फंसते हैं और इसका खामियाजा उठाती है- वहां की जनता। अगर आपका प्रबंधन ठीक नहीं है तो हालात श्रीलंका जैसे होने में वक्त नहीं लगता। श्रीलंका में विद्रोह की लपटें पिछले तीन चार महीनों से उठने लगी थीं। हालात धीरे धीरे बेकाबू होते जा रहे थे। चीन पर बढ़ती निर्भरता और कर्ज के भयानक जाल में बुरी तरह उलझ चुके इस देश के सत्ताधारियों ने आम जनता की सुध नहीं ली, उनकी रोजमर्रा की तकलीफों के बारे में नहीं सोचा और उन्हें भूखे, प्यासे और अंधेरे में रहने को मजबूर कर दिया। जाहिर है विद्रोह होना ही था। इसकी भूमिका महीनों से बन रही थी। शनिवार को इसकी पराकाष्ठा थी और आगे भी तबतक रहेगी जबतक कोई कारगर सरकार नहीं बन जाती। राष्ट्रीय सरकार बनाने के लिए रास्ते खोले गए हैं लेकिन इससे भी स्थितियां कितनी सुधरेंगी कहा नहीं जा सकता। फिलहाल तो लोगों का जो गुस्सा है वो देश से भागे मौजूदा राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के खिलाफ है। उन्हें लगता है कि हमारे पैसों पर ये नेता एय्य्शी कर रहे हैं और हम भूखे मरने को मजबूर हैं। इसी गुस्से का इजहार राष्ट्रपति निवास में घुसे हजारों लोगों की भीड़ ने किया.. बेडरूम से लेकर, स्वीमिंग पूल तक और पूरे परिसर में इनका कब्जा यूं ही नहीं हो गया। पीएम आवास को यूं ही नहीं जला दिया गया। अप्रैल में भी ऐसे हिंसक प्रदर्शन हुए थे। राष्ट्रपति निवास के सामने आगजनी हुई थी। राजपक्षे ने डर कर अपना निवास छोड़ दिया था और कोलंबो फोर्ट में रहने लगे थे। इस बार तो वो देश से ही भाग गए।

श्रीलंका में विद्रोह की लपटें पिछले तीन चार महीनों से उठने लगी थीं। हालात धीरे धीरे बेकाबू होते जा रहे थे। चीन पर बढ़ती निर्भरता और कर्ज के भयानक जाल में बुरी तरह उलझ चुके इस देश के सत्ताधारियों ने आम जनता की सुध नहीं ली, उनकी रोजमर्रा की तकलीफों के बारे में नहीं सोचा और उन्हें भूखे, प्यासे और अंधेरे में रहने को मजबूर कर दिया।

श्रीलंका में विद्रोह की ऐसी तस्वीरें पहले किसी ने नहीं देखी होंगी। शायद किसी देश में ऐसा नहीं हुआ कि राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री निवास पर सीधे तौर पर कब्जा करने और आग लगाने की ऐसी कोशिश हुई हो।

नेपाल में राजशाही के खात्मे के वक्त वहां के राजमहल पर कब्जा हुआ था और तत्कालीन राजा को भागना पड़ा था, लेकिन वहां भी ऐसा भयानक मंजर नहीं आया था। सत्ता के शीर्ष पर बैठे हुक्मरानों पर हमले भी कई दफा हुए, हत्याएं हुईं, लेकिन जनता का ऐसा सैलाब कभी नहीं उमड़ा। दुनिया के तमाम देश इस वक्त भीषण आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे हैं, खासकर तीसरी दुनिया के देशों में हालात हमेशा से खराब रहे हैं। आंदोलन तो तमाम चलते ही रहे हैं, सत्ता पलटने की कोशिशें भी हुई हैं, लेकिन करीब सवा दो करोड़ की आबादी वाले श्रीलंका में पिछले तीन महीनों से जो हालात बन रहे थे, शनिवार को उसकी परिणति कुछ इस तरह हुई कि दुनिया देखती रह गई।

देश में बेहद गहरे होते आर्थिक संकट की वजह से श्रीलंका में 'गोटा गो होम' (गोतबया वापस जाओ) आंदोलन की जिस तरह तीन महीने पहले शुरुआत हुई, तब से ये लगातार पूरे देश में फैलता गया और इसका विस्तार इस कदर हुआ कि आम जनता ने सत्ताधारियों को पूरी आक्रामकता के साथ ये संदेश दे दिया कि जनता भूखी रहे, महंगाई में पिसती रहे, ऐसे में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ऐशो आराम के साथ सरकार में नहीं बैठे रह सकते। जनता ने ही उन्हें सत्ता पर बैठाया है तो उस 'ऐशो आराम' की हकदार जनता भी है। शनिवार को ये आंदोलन और इतने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन तो पहले से तय था, लेकिन उसका यह रूप होगा, यह नहीं सोचा गया था।

अतुल सिन्हा

संपादकीय

वैकल्पिक व्यवस्था कहां है?

भारतीय जनता पार्टी लंबे समय तक यथास्थितिवादी पार्टी मानी थी लेकिन अब वह वैचारिक स्तर पर अपने यथास्थितिवाद के बावजूद एक डिसरप्टिव फोर्स के तौर पर उभर रही है। वह राजनीति के मौजूदा ढांचे को बदल रही है। भारत में जिस राजनीतिक ढर्रे को सहज रूप से स्वीकार किया गया था उसे वह बदल रही है या बदलने का प्रयास कर रही है। दशकों से जो पार्टियां लोगों के दिल-दिमाग में बैठी हैं उनको खत्म कर रही है और उनकी जगह नई व्यवस्था बनाने की कोशिश कर रही है। पर इसके बड़े खतरे हैं। यह शेर की सवारी की तरह है। अगर गिरे तो खतरा है कि शेर खा जाएगा। ऐसा नहीं है कि देश में जो स्वीकार्य राजनीतिक ढांचा है वह बहुत अच्छा है इसलिए उसमें बदलाव नहीं होना चाहिए। उसमें कई चीजें खराब हैं लेकिन उन्हें बदलने से पहले वैकल्पिक व्यवस्था बनानी होगी। भाजपा ने भाषा का विवाद शुरू किया लेकिन यह बिना किसी तैयारी के किया गया। एक तो आर्थिक कारणों से, जीएसटी की वजह से, 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों की वजह से और कई अन्य कारणों से दक्षिण भारत के देश अपने को अलग-थलग महसूस कर रहे थे। वे अपना एक संघ बना रहे थे और उनके वित्त मंत्रियों की बैठकें हो रही थीं। ऐसे में भाषा का विवाद शुरू हो गया। अगर इस मामले में बहुत सोच-समझ कर कदम नहीं उठाया गया तो आने वाले दिनों में भारत की एकत और अखंडता के लिए बड़ी चुनौती पैदा होगी। इसी तरह हिंदू-मुस्लिम की जो ऐतिहासिक ग्रंथि है वह एक न एक दिन फूटने वाली थी और तब देश में आंतरिक संघर्ष होता लेकिन ऐसा लग रहा है कि भाजपा हिंदू वोटों की राजनीति में उस प्रक्रिया को फास्ट फॉरवर्ड कर रही है।

पानी के लिए समर्पित एक शिक्षक, पर्यावरण वाले मास्साहब के नाम से प्रसिद्ध

पर्यावरण वाले मास्साहब के नाम से प्रसिद्ध रसायन विज्ञान के प्रवक्ता मोहन चंद्र कांडपाल 33 वर्षों से पानी बोओ, पानी उगाओ! के काम में समर्पित हैं। इनका जन्म अल्मोड़ा जिले के कांडे गांव में हुआ। इनके पिता कानपुर के पंजाब नेशनल बैंक में काम करते थे, जिसके कारण उन्होंने एमएससी तक की पढ़ाई भी कानपुर से ही पूरी की। बचपन में ही वह स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण मिशन के विचारों के अनुयायी बन गए थे।

वर्ष 1984 की बात है। इंटर की परीक्षा देकर छुट्टियों के समय वह अपने गांव आए, तो उस समय वहां नशा नहीं, रोजगार दो, आंदोलन चल रहा था। वह इससे प्रभावित होकर आंदोलन में कूद पड़े थे। पिता के आग्रह पर पढ़ाई तो पूरी करनी थी। वर्ष 1990 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद रसायन विज्ञान के प्रवक्ता के रूप में उन्हें आदर्श इंटर कॉलेज, सुरई खेत में नियुक्ति मिल गई थी, जहां से उन्हें अपने गांव के नजदीक रहकर सेवा करने का मौका मिल गया। विज्ञान के शिक्षक के रूप में उन्होंने अपनी कक्षा के विद्यार्थियों को मेहनत पूर्वक पढ़ाया और उसके अच्छे परिणाम भी दिखे। लेकिन वह इतने तक ही सीमित नहीं रहे। अपने स्कूल के 40 विद्यार्थियों की टीम बनाकर वह छुट्टी के समय आसपास के गांवों में तालाबों की सफाई, वृक्षारोपण जैसे कार्य करने लगे। गांवों में जाने से छात्रों को विज्ञान की

प्रयोगात्मक जानकारी भी हासिल हुई। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व विकास के उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 1993 में पर्यावरण शिक्षण व ग्रामोत्थान संस्था का गठन किया। इस संगठन को प्रारंभ में उत्तराखंड सेवा निधि का साथ मिला। प्रारंभ में जलस्रोतों के संरक्षण व जल के समान वितरण का काम उन्होंने अपने गांव से ही प्रारंभ किया। 90 के दशक में उनके गांव में तीन जलस्रोत थे, जहां पानी भरने के लिए महिलाओं की लंबी कतार लग जाती थी। अपनी बारी के इंतजार में खड़ी आखिरी महिलाओं को अक्सर बिना पानी लिए ही घर लौटना पड़ता था। यह बुरी स्थिति देखकर शिक्षक मोहन चंद्र ने गांव में स्कूल के विद्यार्थियों के माता-पिता की बैठक बुलाकर प्रत्येक परिवार को बराबर पानी उपलब्ध कराने के लिए जल वितरण के नियम बनवाए, जिससे सबको पानी मिलने लगा। लेकिन जलस्रोत का पानी भी कम होने लगा था। उसे रिचार्ज करने के लिए वर्षा जल एकत्रीकरण हेतु उन्होंने छोटे-छोटे तालाब, जिसे स्थानीय स्तर पर खाव कहते हैं, बनवाए। यहां चारों ओर की नंगी धरती को ढकने के लिए एक हजार से अधिक चौड़ी पत्ती के पौधे रोपकर जंगल तैयार किया गया, जहां से गांववालों को निरंतर पानी की आपूर्ति हो रही है। इसका प्रबंधन गांव के ही लोग करते हैं।

शिक्षक के प्रयास की यह मुहिम अब द्वाराहाट एवं भिकियासैण ब्लॉक के 82 गांवों तक फैल चुकी है, जहां महिला संगठनों ने अपने गांवों में 8,000 से अधिक तालाब बना दिए हैं। उनमें वर्षा का पानी जमा रहता है, जिसके कारण गांव के जलस्रोत जिंदा हो गए और जंगल में चारा-पत्ती भी उग आई है। ललित पांडे, कुमाऊं विश्वविद्यालय के पहले कुलपति डीडी पंत, प्रसिद्ध भूगर्भशास्त्री खड्ग सिंह वल्दिया और आरडी खुल्वे जैसी विभूतियों को अपना मार्गदर्शक मानते हैं। उन्होंने पहली बार अपने कॉलेज के पास वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसमें उनके ये प्रेरणा पुरुष उपस्थित थे। उस आयोजन में शामिल हुए अतिथियों ने कहा था कि यदि वृक्षारोपण को सफल बनाना है, तो इनकी जड़ों को सींचने के लिए वर्षा जल एकत्रित करना होगा और पेड़ों को बचाने के लिए गांव की महिलाओं को आगे लाना होगा।

मोहन चंद्र जी को एहसास हुआ कि उनके वृक्षारोपण कार्यक्रम में न तो महिलाएं थीं और न ही वृक्षारोपण स्थल पर पानी की कोई व्यवस्था थी। उसके बाद उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में जल संरक्षण को प्राथमिकता देना प्रारंभ किया। साथ ही, अपने छात्रों को साथ लेकर वह गांव- गांव में महिला संगठन का गठन करने लगे। इसका अच्छा परिणाम यह हुआ कि छात्रों को समाज के साथ जुड़ने की नई सीख मिली।

सुरेश भाई

मिला जुला

कलेक्टर ने बांकी नदी पुनरोद्धार कार्य का किया अवलोकन

बांकी नदी सरंक्षण समिति की बैठक लेकर आगे की कार्ययोजना हेतु दिए आवश्यक दिशा निर्देश

गम्हरिया स्थित स्टॉप डेम का भी निरीक्षण कर जल भराव का लिया जायजा

जोहार छत्तीसगढ़- जशपुरनगर।

कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने आज बांकी नदी तट पहुंचकर जिला प्रशासन एवं जन सहयोग से हुए बांकी नदी पुनरोद्धार कार्य का अवलोकन करते हुए बांकी नदी सरंक्षण समिति की बैठक ली। इस अवसर पर जनपद सीईओ प्रेम सिंह मरकाम, समाजसेवी समर्थ जैन, आनंद गुप्ता,रामप्रकाश पाण्डेय सहित बांकी नदी संरक्षण समिति के सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा जल सरक्षण हेतु नदी नालों का सरंक्षण आवश्यक है। इस हेतु सिटोंगा से नीमगांव तक के दायरे में बांकीनदी के गहरीकरण के साथ नदी के दोनों किनारों में हुए अतिक्रमण को हटाने की बात कही। जिससे नदी को पुन: उसके

जल सरंक्षण के सम्बंध में लोगों में जनजागरूकता लाने के दिए निर्देश

पुराने अस्तित्व में लाया जा सके। इस हेतु नदी किनारे का सीमांकन पूर्ण कराने के लिए कहा। कलेक्टर ने नदी किनारे की जाने वाली वृक्षारोपण की तैयारी का जायजा लिया। उन्होंने वृहद स्तर पर वृक्षारोपण करने हेतु आवश्यक तैयारी रखने की बात कही। इस हेतु गड्ढे की तैयारी, पौधों की उपलब्धता, ट्री गार्ड सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अगले सप्ताह जिले में वाटर रिचार्ज के सम्बंध में ट्रेनिंग देने बाहर से विशेषज्ञों की टीम आएगी जिनके द्वारा जिले के गम्हरिया, सिटोंगा,नीमगांव सहित अन्य

स्थलों का भ्रमण कर जल आवर्धन एवं भू-जल स्तर में वृद्धि के सबंध में प्रशिक्षण प्रदान की जाएगी। उन्होंने इस हेतु तकनीकी कार्ययोजना तैयार करने की बात कही। साथ ही जल सरंक्षण के सम्बंध में लोगों में जनजागरूकता लाने के लिए भी विशेष प्रयास करने के लिए कहा। कलेक्टर ने जिले के अन्य विकासखण्डों में भी नदी नालों के सरंक्षण का कार्य करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही सभी पंचायतो में मनरेगा के माध्यम से स्टॉप डेम सहित अन्य जल संवर्धन संरचनाओं का निर्माण करने की बात कही। इस दौरान कलेक्टर ने गम्हरिया में निर्मित स्टॉप डेम का अवलोकन करते हुए जल भराव की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्टॉप डेम की नियमित रूप से साफ-सफाई एवं गाद निकासी कराने के निर्देश दिए।

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा मंडल की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

जोहार छत्तीसगढ़- कोरिया।

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा की मंडल कार्यकारिणी की बैठक खड़गवा में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व विधायक एवं किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष जनार्दन साहू, भाजपा मंडल भाजयुमो अध्यक्ष रामप्रताप, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र राजवाड़े, भाजयुमो जिला महामंत्री शारदा गुप्ता, सुशील सिंह, मंडल महामंत्री रामलाल साहू, रमेश जायसवाल, अरुणोदय पांडे, सत्येंद्र साहू, विनोद सिंह, ओम शुक्ला सहित मंडल पदाधिकारी कार्यसमिति सदस्य मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने युवा मोर्चा के लिए मैदानी स्तर पर किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने युवा शक्ति को समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। बताते हुए आह्वान किया कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार ने राज्य का शोषण किया है समाज के बीच जाकर बड़े परिवर्तन के लिए तैयारी करें। समाज की ताकत आप है और बेहतर व्यवस्था के लिए प्रशिक्षण प्राप्त किए गए हैं। उन्होंने भाजयुमो कार्यकर्ताओं को प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर संगठन कार्य करते हुए आगे बढ़ने को कहा। भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी सत्येंद्र राजवाड़े ने मंडल के अंतर्गत हुए कार्यों की समीक्षा की तथा सभी पदाधिकारियों से उनके द्वारा निभाए गए दायित्वों की जानकारी ली भूतों में युवा मोर्चा की टीम बनाने का अभियान और तेज करने की कार्य योजना पर बात हुई साथ ही आगामी 9 अगस्त को रायपुर तुम्हें मुख्यमंत्री निवास का घेराव पर रणनीति बनाते हुए चर्चा की गई। जिला मंडल महामंत्री शारदा गुप्ता सुशील सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया शक्ति केंद्रीय स्तर पर बैठकों की रणनीति बनाई गई इसके बाद मंडल कार्यसमिति का समापन किया गया।

16 जुलाई को पत्थलगांव व 30 जुलाई को जशपुर में नि:शुल्क मिलेगी सुपर स्पेशलिटी ओपीडी सेवाएं

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बगीचा में द्वितीय एवं चतुर्थ रविवार को मिलेगी नि:शुल्क चिकित्सा सेवा

जोहार छत्तीसगढ़- जशपुरनगर।

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढीकरण एवं सुचारू संचालन के लिये डीएमएफ मद से जिला चिकित्सालय जशपुर एवं सिविल अस्पताल पत्थलगांव में जिंदल हॉस्पिटल रायगढ़ के विशेषज्ञों के द्वारा नि:शुल्क सुपर स्पेशलिटी ओपीडी सेवायें प्रदान की जा रही है। मुख्यचिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि सिविल अस्पताल पत्थलगांव में 16 जुलाई 2022 को डॉ. एसके पाढी न्यूरो एण्ड स्पाईन, डॉ. अभिषेक त्रिपाठी आर्थोपेडिक, डॉ मनीष जाजोडिया जनरल सर्जरी विशेषज्ञ अपनी सेवायें देंगे। इसी प्रकार जिला चिकित्सालय जशपुर में 30 जुलाई 2022 को डॉ. मनदीप सिंह टुटेजा पल्मोलॉजी, डॉ. विज्ञान मिश्रा पैथॉलाजी, डॉ. प्रशांत नायक ईएनटी विशेषज्ञ सेवायें देंगे। साथ ही जीवन ज्योति चिकित्सालय अंबिकापुर के विशेषज्ञों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बगीचा में द्वितीय रविवार को डॉ. अमित पोठारे न्यूरोसर्जन एवं चतुर्थ रविवार को डॉ. स्नेहा सिंह स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. इम्तियाज अली अहमद नेफ्रोलॉजी विशेषज्ञ के द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा सेवायें प्रदान की जाएगी। उपरोक्त विशेषज्ञों की सेवायें उक्त तिथियों को नि:शुल्क उपलब्ध रहेगी। उन्होंने जिले के नागरिकों को अधिक से अधिक संख्या में लाभ उठाने की अपील की है।

कन्हैयालाल हत्याकांड- एनआईए ने खंगाले मुख्य आरोपियों के मोबाइल

पाकिस्तान के 18 लोगों से होती थी बातचीत

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में बीते 28 जून को टेलर कन्हैयालाल की जघन्य हत्या के सिलसिले में एनआईए पूरी तह तक जाने की कोशिश कर रही है। पिछले दो दिनों में उदयपुर में एनआईए टीम ने मुख्य आरोपी मोहम्मद रियाज अत्तारी व गौस मोहम्मद की तलाशी लेकर वहां से कुछ सिम बरामद किए। इनकी जांच में यह बात सामने आई है कि दावत-ए-इस्लामी से जुड़े लोगों से आरोपी लगातार बात करते थे। इनमें 18 नंबर पाकिस्तान के भी शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक आरोपियों का संपर्क देश में करीब

300 लोगों से था। ये लोग राजस्थान, बंगाल, मध्यप्रदेश, बिहार, गुजरात व केरल से हैं। एनआईए इस बात की जांच कर रही है कि क्या इनसे जुड़े लोग भी कट्टरवादी सोच के हैं और क्या वे लोगों का ब्रेनवॉश कर रहे हैं? एनआईए ने अभी कोई अधिकृत बयान जारी नहीं किया है।

अजमेर के खादिम से भी हुई थी आरोपियों की बातचीत

उधर, अजमेर के खादिम गौहर चिश्ती और दोनों मुख्य आरोपियों के बीच बातचीत किया जाना सामने आया है। गौहर ने अजमेर में प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ भाषण दिया था। तब से वो भी फरार है। गौहर चिश्ती के 17 जून को उदयपुर में रहने की खबरें सामने आई हैं। एटीएस व एनआईए जरूर इस बात की पुष्टि करेगी, लेकिन इस मामले को लेकर भी एनआईए ने कोई अधिकृत बयान जारी नहीं किया है। हैदराबाद से एक शख्स की गिरफ्तारी की बात का एनआईए खंडन कर चुकी है। एनआईए ने हैदराबाद में इस्लामिक सेंटर चलाने वाले बिहार के निवासी एक शख्स को नोटिस देकर 14 जुलाई को जयपुर में एनआईए के समक्ष पेश होने को कहा है।

घरघोड़ा टीआई प्रवीण मिंज की जुआड़ियों पर गीरी गाज

जुआ, सट्टा शराबियों पर आगे भी ताबड़तोड़ कार्यवाही

जोहार छत्तीसगढ़-घरघोड़ा।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र बस्तर में नक्सलियों से लोहा लेने व अपने कुशल नेतृत्व से अपनी बटालियन के साथ नक्सलियों का किला ध्वस्त करने में सफ लता अर्जित करने वाले तेजतर्रार अधिकारी की प्रवीण मिंज का जब ऑफआउट टर्न प्रमोशन सब स्पेक्टर से स्पेक्टर पदोन्नति होने के बाद प्रथम पोस्टिंग रायगढ़ जिला रहा जहां प्रवीण को थाना प्रभारी बनाकर छाल लैलूंगा थाना का प्रभारी नियुक्त किया गया था। अपने कुशल नेतृत्व के दम पर दोनों ही थानों में अपने कार्यों का छाप छोड़ी इनके कार्य से खुश होकर पुलिस अधीक्षक द्वारा संवेदनशील व बड़े थाना घरघोड़ा पदस्थ किया गया है। जहां पदभार ग्रहण करते ही शराबियों जुआड़ियों वह चोर बदमाशों पर कार्रवाई करना आरंभ कर दी, अपने शैली के अनुरूप सभी आदततन बदमाशों की क्लास लेते हुए सुधर जाने की शक्त हिदायत दिये थे। अपने कुशल नेतृत्व के घरघोड़ा थाना प्रभारी प्रवीण कुमार मिंज के नेतृत्व में 09 जुलाई 22 को घरघोड़ा स्टाफ द्वारा चिमटापानी . फुटहामुड़ा जंगल में 52 पत्ती ताश से जुआ खेलने की सूचना पर सुनियोजित तरीके से जुआ रेड कार्यवाही किया गया। जहां 9 जुआरियों को मौके पर ताल पतरी बिछाकर 52 पत्ती ताश से जुआ खेलते पकड़ा गया । थाना प्रभारी घरघोड़ा को सूचना मिली थी कि झरियापाली का शकरुद्दीन खान व उसके साथी जंगल में जुआ खेलने जाते हैं जिस पर कार्यवाही के लिए पिछले 7 दिनों से थाना प्रभारी घरघोड़ा स्टॉफ व मुखबीर लगाकर रखे थे। आज शाम मुखबिर द्वारा जुआरियों के जंगल अंदर जुआ फड में बैठे होने की सूचना दिया। तत्काल थाना प्रभारी घरघोड़ा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कर उनके मार्गदर्शन पर जुआ रेड कार्यवाही किया गया। जहां 9 जुआरियों को रंगे हाथ पकड़ा गया जिनके पास एवं जुआ फड से 2,60,000 नगद, 11 नग विभिन्न कंपनियों के मोबाइल तथा जुआ फड के सामने खड़ी 4 मोटरसाइकिल तथा 3 नग ताल पतरी, 52 पत्ती ताश की जब्ती कर थाना लाया गया। थाना घरघोड़ा में जुआरियों पर 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया है। एएसपी लखन पटले तथा एसडीओपी धरमजयगढ़ दीपक मिश्रा के मार्गदर्शन पर जुआ रेड कार्यवाही में थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक प्रवीण मिंज, उप निरीक्षक,डमोन खेस, सहायक उप निरीक्षक विलफ्रेड मसीह, प्रधान आरक्षक डोल नारायण साव, आरक्षक उद्दव पटेल, दिलीप साहू, पुरूषोत्तम सिदार, प्रहलाद भगत, खगेश्वर नेताम, नंद कुमार पैंकरा शामिल थे।

जुआरियों से 2,60,000 नगद, 11 मोबाइल, 4 मोटरसाइकिल की जब्ती

कलेक्टर ने सिटोंगा में बांकी नदी उद्गम स्थल का किया मुआयना

ग्रामीणों से श्रमदान कर समय-समय पर नदी की साफ़-सफाई करने एवं आस पास गंदगी फैलने से रोकने का किया आग्रह

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

कलेक्टर ने आज जनपद जशपुर के सिटोंगा में स्थित बांकी नदी के उद्गम स्थल का मुआयना किया। उन्होंने ग्रामीणों को नदी के उद्गम स्थल का समय समय पर श्रमदान के माध्यम से साफ-सफ ाई करने एवं नदी के आस पास गंदगी फैलने से रोकने की समझाईश दी। साथ ही नदी किनारे के अतिक्रमण को भी हटाने की बात कही। जिससे नदी के पानी के बहाव में वृद्धि हो एवं नदी अपने पुराने स्वरूप में आ सके। इस अवसर पर जनपद सीईओ प्रेम सिंह मरकाम, तहसीलदार विकास जिंदल सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे। इस दौरान कलेक्टर ने सिटोंगा के ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, भूमिहीन कृषक मजदूर न्याय योजना, वन अधिकार पट्टा, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य फ्लैगशीप योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने गांव में पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता एवं स्कूल, आंगनबाड़ी के संचालन के सम्बंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने स्थानीय अधिकारियों को गंभीरता से ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करने हेतु निर्देशित किया।

ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देते हुए उनकी समस्याओं को सुना एवं निराकरण हेतु दिए निर्देश

रथयात्रा मेला के दौरान आम आदमी को चाकू निकालकर डरा धमका रहे युवक गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़-बसना।

पुलिस अधीक्षक महासमुंद विवेक शुक्ला के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मेघा टेंबुलकर साहू एवं एसडीओपी सरायपाली विकास पाटले के मार्गदर्शन में जिला महासमुंद के अपराध एवं अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के मुहिम के तारतम्य में जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारियों को जिले में होने वाले अपराधो पर अंकुश लगाने एवं त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था इसी क्रम में थाना सरायपाली में 09 जुलाई 2022 को सूचना मिला की रथयात्रा मेला में आने जाने वाले लोगों को महलपारा चौक सरायपाली के पास एक व्यक्ति अपने हाथ में नुकिला धारदार चाकू लेकर लहराते हुए आने जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा है जिससे रथ यात्रा में व्यवधान उत्पन्न हो रहा है तथा आने जाने वाले आम लोगों में डर और भय का वातावरण निर्मित हो गया है कि सूचना मिलने पर घटनास्थल गए जहां एक व्यक्ति अपने हाथ में धारदार चाकू लेकर लोगों को डराते धमकाते चाकू लहराते रंगे हाथों पकड़ा गया आरोपी को पकड़कर नाम पता पूछे जिसने अपना नाम शिखर उर्फ प्रिंस उपाध्याय पिता धर्मेंद्र उपाध्याय उम्र 19 वर्ष साकिन महलपारा थाना सरायपाली का रहना बताया जिसके कब्जे से, बिना बटन वाले धारदार चाकू तथा, एक बटन वाला स्प्रिंग दार धारदार चाकू बरामद किए। आरोपी का कृत्य अपराध धारा 25 27 आर्म्स एक्ट के तहत पाया जाने से विधिवत गिरफ्तार किया गया मामला अजमानती होने पर ज्यूडिशियल रिमांड पर न्यायालय पेश किया जाता है। आरोपी का कृत्य धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत पाये जाने पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक आशीष वासनिक, सउनि तिलक सिंह ठाकुर,आर.योगेंद्र दुबे,कमल जांगड़े,योगेंद्र बंजारे,मानवेन्द्र ढीढी व थाना स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

पांच एकड़ भूमि में लेमन ग्रास की होगी खेती, किसानों की जिंदगी में बिखेरेगी खुशियां

कोरबा । पारंपरिक धान की खेती की जगह दीगर फसलों की ओर रूझान बढ़ाने राज्य सरकार ने एक और प्रयास शुरू किया है। इस बार जिला उद्यानिकी विभाग ने सुतर्रा के गोठान के पांच एकड़ भूमि में लेमन ग्रास की खेती की है। इसका उद्देश्य किसानों को इस फसल की ओर प्रेरित करना है। धान के मुकाबले कम पानी व लागत में लेमन ग्रास की खेती की जा सकती है। प्रति एकड़ धान के बदले 15 से 20 हजार अधिक मुनाफा भी होगा।

जिले में मानसून आश्रित खेती होती है। इसमें ज्यादातर किसान धान की फसल लेते हैं। वर्षा समय पर होने पर फसल का लाभ मिल जाता है अन्यथा सूखे की भेंट चढ़ जाती है। धान के बदले ऐसी कई फसलें हैं जिन्हे कम पानी में तैयार किया जा सकता है। किसानों को इसके उत्पादन के बारे में जानकारी नहीं होने की वजह वे लाभ नहीं ले पाते। इसी समस्या को निराकरण करने के लिए उद्यानिकी विभाग की ओर से प्रदर्शन खेती कराई जाती है। इसी कड़ी में इस बार सुतर्रा गोठान जिला उद्यानिकी ने महिला समूह के सहयोग से पांच एकड़ भूमि में लेमन ग्रास की निश्शुल्क रोपाई की गई है। उद्यानिकी विभाग ने घास को धमतरी से मंगाया गया है। पांच एकड़ की खेती में एक लाख 12 हजार खर्च आया है। घास की विशेषता यह है कि एक बार लगाने के बाद यह पांच साल के लिए फिर रोपाई नहीं करनी पड़ती। घास की कटाई कर इसे सुखाया जाता है।

नकली पुलिस पकड़े असली पुलिस ने

नीली बत्ती और पुलिस की नेमप्लेट लगी वाहन में बैठकर कर रहे थे अवैध वसूली

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

खुद को पुलिस बताकर चालान काटकर रुपए वसूली करने वाले 3 युवकों को सरायपाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक में 2 यूपी व एक राजनांदगांव का रहने वाला है। आरोपियों से पुलिस ने एक नग एके 47 रायफ ल का जिंदा कारतूस, पुलिस की नेमप्लेट व नीली बत्ती सायरन लगे वाहन को जब्त की है। थाना प्रभारी आशीष वासनिक ने बताया कि नकली पुलिस बनकर वसूली करने वाले ग्राम सरायगनई थाना कंधई हनुमानगंज जिला प्रतापगढ़ उत्तरप्रदेश हाल मकाम दबे कालोनी मोवा रायपुर निवासी रविंद्र प्रताप सिंह 32, ग्राम टिकैतनपट्टी पोस्ट सराय आनादेव थाना जठवारा जिला प्रतापगढ़ उत्तरप्रदेश हाल दुबे कालोनी मोवा रायपुर निवासी वीरजीत देवांगन 36, व ग्राम सुकुल दैहान थाना लालबाग जिला राजनांदगांव निवासी शत्रुघन देवांगन 22, को गिरफ्तार किया गया है। उपरोक्त लोग कार क्रमांक सीजी 08 एके 7065 में नीली बत्ती व पुलिस की नेमप्लेट लगाकर चालकों से चालान काटकर रुपए की वसूली कर रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि शनिवार को ग्राम जंगलबेड़ा निवासी लिंगराज निराला 28, अपनी बाइक में दोस्तों के साथ ड्यूटी के लिए सिंघोड़ा से सरायपाली के लिए निकला था। एनएच ग्राम चट्टीगिरोला व भोथलडीह के बीच एक गाड़ी में पुलिस की नेमप्लेट एवं नीली बत्ती सायरन लगाकर खद को पुलिस बताकर तीन व्यक्ति राहगीरों को रोककर चालान के नाम पर पैसा लेने की सूचना दी। सूचना पर, करवाई करते हुए टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी करते हुए तीनों युवकों को पकड़ा। इस करवाई में उप निरीक्षक विनोद नेताम, उप निरीक्षक अनिल पालेश्वर आदि थे।

एक नजर

मोंगरापाली में 52 छात्राओं को नि:शुल्क साईकिल वितरण

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

जिले के बागबाहरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम मोगरा पाली शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला की छात्राओं को क्षेत्रीय विधायक और संसदीय सचिव द्वारकाधीश यादव द्वारा सरस्वती साइकिल योजना के तहत 52 छात्राओं को मुफ्त साइकिल का वितरण किया गया। साइकल पागल छात्राएं काफी हर्षित नजर आई। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अलका चंद्राकर, डुमरवतिन ठाकुर, सरपंच केसर लता सिन्हा बालक छात्रावास के अध्यक्ष अरुण दीवान, एसएमसी मोगरापाली हेमलाल दीवान संतराम साहू,संतोष पटेल राजीव चंद्राकर एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

तीन पहिया वाहन में ग्रामीण कर रहे मौत का सफर

जोहार छत्तीसगढ़-सुकमा।

जिले में तीन पहिया वाहनों द्वारा क्षमता से अधिक सवारी बैठाया जा रहा है। यातायात नियमों का खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। रोजाना ग्रामीण क्षेत्रों में तीन पहिया वाहनों में लोगों को वाहन से लटका कर ग्रामीणों को मौत का सफर करने में मजबूर किया जा रहा है।

फुनगी पानी भरे खेत में औंधे मुंह पड़ा मिला एक व्यक्ति का शव, पुलिस जांच में जुटी

जोहार छत्तीसगढ़-उदयपुर।

उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम फुनगी में सबेर सिंह के खेत में गांव के ही धनेश्वर पैकरा उम्र 35 वर्ष का शव पानी भरे खेत में औंधे मुंह पड़ा मिला। घटना कि सूचना उदयपुर पुलिस को मिलने पर थाना प्रभारी धीरेंद्र नाथ दुबे के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंची तथा शव को खेत से उठवा कर पंचनामा कार्यवाही के पश्चात उदयपुर हॉस्पिटल के मरचुरी में रखवा दिया गया है। मौत के मामले में थाना प्रभारी धीरेंद्र नाथ दुबे ने बताया कि ग्राम फुनगी में एक किसान के खेत मे मृतक धनेश्वर पैकरा का शव मिला है। मौत किन कारणों से हुई है इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद चलेगा।

चोरी के 5 नग स्कुटी व 1 नग मोटर सायकल सहित आरोपित गिरफ्तार

कोरबा । पुलिस अधीक्षक कोरबा भोजराम पटेल के द्वारा जिला में सभी किस्म के अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण हेतु सभी थाना-चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। जिसके परिपालन में कोरबा जिला में लगातार अवैध गतिविधियों पर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 09 जुलाई 2022 को पुलिस अधीक्षक कोरबा भोजराम पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा अभिषेक वर्मा व नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा योगेश साहू व थाना प्रभारी कोतवाली राजीव वास्तव के मार्गदर्शन में मानिकपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति चोरी का स्कुटी को बेचने के फिराक में मुड़ापार शराब दुकान के पास घुम रहे हैं कि पर उनि लालन पटेल एवं मताहत स्टाफ के रेड कार्यवाही किया जो आरोपीयान शेख असलम व अनुप यादव चोरी के स्कुटी के साथ मिला उक्त दोनो आरोपी को पुलिस हिकमत अमली से पूछताछ करने पर 05 नग स्कुटी और 01 नग मोटर सायकल कुल कीमती 5,00,000 रूपये को पृथक-पृथक मेमोरेण्डम अनुसार जप्त किया गया है।

पुरुष नसबंदी सरल, सुरक्षित और महिला नसबंदी से बेहद आसान विधि है

विश्व जनसंख्या दिवस पर जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का आयोजन

जोहार छत्तीसगढ़-जगदलपुर।

हर साल 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य, दुनियाभर में बढ़ती जनसंख्या के प्रति लोगों को जागरुक करना है। जनसंख्या दिवस मनाते हुए इस दिन लोगों को परिवार नियोजन, लैंगिक समानता, मानवाधिकार और मातृत्व स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी जाती है। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिले में आज से जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। पहले चरण में दंपत्ति संपर्क पखवाड़ा का आयोजन 27 जून से 10 जुलाई तक किया जा चुका है। दूसरे चरण में आज से 31 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरीकरण के लिए विविध कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। दो चरणों में मनाए जाने वाला विश्व जनसंख्या दिवस इस बार 8 बिलियन की दुनिया सभी के लिए एक लचीले भविष्य की ओर.अवसरों का दोहन और सभी के लिए अधिकार और विकल्प सुनिश्चित करना की थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस बार विश्व जनसंख्या दिवस कोविड-19 प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए मनाया जाएगा। इस सम्बंध में जानकारी देते हुए सीएमएचओ डॉ आरके चतुर्वेदी ने बताया परिवार नियोजन साधनों के प्रचार-प्रसार पर स्वास्थ्य विभाग का पूरा फोकस है। 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस के साथ ही जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का प्रारंभ किया जा रहा है। पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य जनसाधारण को सीमित परिवार के के प्रति जागरूक करना है। साथ ही इच्छुक लाभार्थियों को परिवार नियोजन की जानकारी देना, परिवार नियोजन के स्थाई-अस्थाई साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। पखवाड़े में ब्लॉक स्तर के सभी सामुदायिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में परिवार नियोजन संबंधी गर्भ निरोधक सामग्री अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध रहेंगे। जिससे अधिक से अधिक लोगों तक परिवार नियोजन के साधनों की पहुंच सुनिश्चित की जा सके। आगे जानकारी देते हुए उन्होंने बताया स्वास्थ्य विभाग की ओर से जनसंख्या नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जिसका परिणाम है कि आज लोग परिवार नियोजन के आधुनिक साधनों का उपयोग कर रहे हैं। बस्तर जिले में परिवार नियोजन के तरीकों के इस्तेमाल में बीते पांच वर्षों में लगभग 9 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है। वर्तमान में गर्भनिरोधक साधनों का उपयोग करने वालों का प्रतिशत 45.2 से बढ़कर 54.2 हुआ है। परिवार नियोजन को लेकर लोगों के व्यवहार परिवर्तन की जरूरत है। पुरुष नसबंदी सरलए सुरक्षित और महिला नसबंदी से बेहद आसान विधि है, इसलिए योग्य और इच्छुक लाभार्थी आगे आकर इस विधि का चुनाव करें तथा इसका लाभ उठायें।

आज से 27 जुलाई तक जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा आयोजित होगा

कलेक्टर ने मयाली डेम निरीक्षण कर पर्यटन के रूप में और अधिक विकसित करने के दिए निर्देश

जलाशय के किनारे किनारे बड़े स्तर पर फलदार व छायादार पौधे लगाने की कही बात

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने विगत दिवस विकासखंड कुनकुरी के मयाली जलाशय का निरीक्षण एवं खटंगा में धान के बदले अन्य फ सल लेने वाले किसानों से चर्चा कर योजना के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत जितेंद्र यादव, वनमंडलाधिकारी जितेंद्र उपाध्याय,जनपद सीईओ लोकहित भगत सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने मयाली डेम को पर्यटन स्थल के रूप में और अधिक विकसित करने हेतु डेम का पुर्नगठन एवं सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए। जिससे स्थानीय लोगों को अधिक से अधिक रोजगार प्राप्त हो सके। उन्होंने जलाशय के किनारे किनारे बड़े स्तर पर फलदार व छायादार पौधे लगाने की बात कही। इस दौरान उन्होंने मधेश्वर पहाड़ के तराई में स्थित गुफा का भी अवलोकन किया। पर्यटन की दृष्टि से उक्त स्थान को भी बढ़ावा देने के निर्देश दिए। कलेक्टर अग्रवाल ने ग्राम पंचायत खटंगा में धान के बदले अन्य फ सल लेने वाले किसानों से भेंट कर उनसे योजना के बारे में चर्चा की। उन्होनें किसानों से खेतों में फसल बुआई की स्थिति का जानकारी लेते हुए उन्हें जैविक खाद के उपयोग के लिए प्रेरित किया। उन्होंने किसानों को बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा कोदो कुटकी रागी जैसे अन्य फ सलों का समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा रही है। जिसके उत्पादन से किसानों को लाभ होगा। किसान विजय तिर्की ने बताया कि वे अपने खेत में धान के बदले कोदो की फ सल ले रहे है। जिससे उन्हें शासन के योजना का लाभ प्राप्त हो सकेगा। कलेक्टर ने योजना का ग्रामीणों के मध्य व्यापक प्रचार प्रसार करने के लिए कहा। जिससे अधिक से अधिक किसान इस योजना से जुड़कर इसका लाभ ले सके।

खटंगा में धान के बदले अन्य फसल लेने वाले किसानों से चर्चा कर योजना के बारे में दी जानकारी

शिक्षकों की समस्या से जूझ रही जिले की शिक्षा व्यवस्था

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

जिले के प्राथमिक व मीडिल स्कूल की पढ़ाई का हाल बेहाल है। इन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। नया सत्र प्रारंभ होने के बाद भी शिक्षकों की समस्या दूर नहीं हुई है। प्राथमिक व मिडिल स्कूल की पढ़ाई उधार के शिक्षक श्के भरोसे चल रही है।

यानी जिस स्कूलों में शिक्षक नहीं है, वहां अन्य स्कूलों से शिक्षकों को पदस्थ कर काम चलाया जा रहा है। जिले के 1770 प्राइमरी व मीडिल स्कूलों में 222 स्कूल एक शिक्षकीय हैं। वहीं दो व तीन शिक्षकों वाले स्कूलों में भी परेशानी है। क्योंकि यहां दर्ज संख्या अधिक है, लेकिन उसके एवज में शिक्षक नहीं है। ऐसे में शिक्षा गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़ा हो रहा है कि गुणवत्ता कैसे आएगी। एक शिक्षकीय स्कूल में चाह कर भी गुणवत्ता लाना मुश्किल काम है। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग नित नए कार्यक्रम लांच कर रहा है। कार्यक्रमों का भी संचालन ढंग से नहीं हो पा रहा है। यहीं हाल हाई व हायर सेकेंडरी स्कूलों का है। ब्लॉकों के आउटर स्कूलों में व्याख्याताओं की कमी है।

इधर, ग्रामीण कई बार समस्या को दूर करने आवेदन दे चुके हैं। डीईओ एस चंद्रसेन कहना है कि शासन को कार्यालय की ओर से स्थानांतरण का प्रस्ताव भेजा गया है। ताकि शिक्षकों की कमी दूर की जा सके। जिले में 222 स्कूल है। जहां एक शिक्षक के भरोसे बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। यहां दर्ज संख्या भी अधिक है। लेकिन शिक्षक पढ़ाई के साथ बच्चों की देखरेख भी कर रहे हैं। इन स्कूलों में शिक्षक थे। लेकिन अन्य स्कूलों में शिक्षक नहीं होने के कारण व्यवस्था में अन्यत्र स्कूल भेज दिया गया है। इसकी वजह से एक शिक्षकीय स्कूल हो गए हैं। बार-बार शिक्षा अधिकारी द्वारा शासन को पत्र भेजा जा रहा है। लेकिन उस दिशा में काम नहीं हो पा रहा है। हैं। 1280 शासकीय प्राथमिक व 490 शासकीय मीडिल स्कूल है। व्याख्याता के लिए 1974 पद स्वीकृत है। इसमें 1443 कार्यरत है। 531 पद रिक्त है। इसी प्रकार उच्च वर्ग शिक्षक के स्वीकृत पद 2295 है, लेकिन कार्यरत 2188 है। 107 पद रिक्त है। वहीं सहायक शिक्षक के स्वीकृत पद 3687 है। कार्यरत 3619 है। वहीं 68 पद रिक्त है।

ठीक से नए कार्यक्रमों का संचालन भी नहीं

बच्चों की पढ़ाई को बेहतर बनाने के लिए रेडियस प्रोग्राम के भाषाई ज्ञान व खेल खेल में पढ़ाई जैसे नित नए कार्यक्रम लांच किए जा रहे हैं। हालांकि कार्यक्रम संचालन हो रहे है। लेकिन जिस दिशा में बेहतर कार्य होने चाहिए नहीं हो पा रहे हैं।

प्राथमिक स्कूल में पांच शिक्षक, वर्तमान में सिर्फ प्रधान पाठक ही बच्चों को पढ़ा रहे

पिथौरा विकासखंड के ग्राम ढाबाखार प्राथमिक स्कूल में पांच शिक्षक तैनात थे। इस स्कूल की दर्ज संख्या 85 है। लेकिन शिक्षकों की कमी के कारण इस स्कूल से निकालकर तीन शिक्षक को अन्यत्र स्कूल में व्यवस्था कर दिया गया है। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो गई है। गांव के मुकेश, चंद्रकुमार, तुषार साहू सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल में शिक्षक चिंतामणी प्रधान को पिछले साल शंकरपुर प्राथमिक स्कूल,अराधना।

जिले में इतने हैं स्कूल एवं शिक्षक

शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले में 185 शासकीय हाई व हायर सेकेंडरी स्कूल संचालित हैं। 1280 शासकीय प्राथमिक व 490 शासकीय पाण्डेय को प्राथमिक शाला कसहीबाहरा में व्यवस्था किया गया है। सत्र समाप्त हो गए है। लेकिन कोई नहीं आया है। इसी प्रकार एक शिक्षक मेडिकल अवकाश पर है। एक शिक्षक संतान पालन अवकाश है। स्कूल में मात्र एक प्रधान पाठक कार्यरत है। जो 85 बच्चों पहली से पा तक पढ़ा रहे हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए ग्रामीणों ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है।

एक नजर

ट्रेक्टर शो रूम के मालिक की पुत्री सहित दो नाबालिकों का अपहरण

पतासाजी में जुटी पुलिस

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

स्कूल जाने के लिए घर से स्कूटी लेकर निकली 12वीं कक्षा की छात्रा लापता हो गई है। दर्शन भाभी स्थान पर खोजबीन के बाद लापता छात्रा की कोई जानकारी ना मिलने से पिता द्वारा कराई गई रिपोर्ट पर पिथौरा पुलिस ने भारतीय दंड विधान की धारा 363 के अंतर्गत अपहरण का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है प्राप्त जानकारी के अनुसार पिथौरा थाना अंतर्गत ग्राम भिथीडीह ठीक निवासी पावर ट्रेक ट्रैक्टर शोरूम के मालिक चंद्रशेखर चौधरी की 16 वर्षीय पुत्री कुमारी रिया चौधरी कल सुबह 8 बजे पिथौरा कन्या शाला जाने के नाम पर सफेद रंग की स्कूटी लेकर घर से निकली हैए पिता ने पुलिस से की गई लिखित शिकायत में कुमारी मोनिका को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जाहिर करने पर अपहरण का अपराध पंजीबद्ध कर पिथौरा पुलिस पतासाजी में जुटी हुई है। इसी तरह से जिले के बसना थाना अंतर्गत ग्राम बड़े साजापाली चौकी भंवरपुर निवासी देवनारायण गहीर की अव्यस्क पुत्री कुमारी भूमिका को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट पर बसना पुलिस द्वारा धारा 363 के तहत अपहरण का जुर्म दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

किशोरी की संदिग्ध मौत

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

स्थानीय पुराना रावण भाठा टामकी तालाब रोड निवासी 15 वर्षीय किशोरी की अज्ञात कारणों से मौत हो गई। सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा मर्ग दर्ज कर विवेचना में शामिल किया गया है। पुलिस नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार पुराना पुराना रावण भाटा निवासी शेखर चंद्र साहू की 15 वर्षीय पुत्री कुमारी मोनिका साहू को उपचार के नाम पर जिला अस्पताल ले जाया गया था जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत्यु का कारण अज्ञात है।

दो चाकूबाजो के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्व

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

सरायपाली और महासमुंद शहर में चाकू की नोक पर लोगों को डराने धमकाने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों युवकों से चाकू जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। सरायपाली पुलिस ने बताया कि शनिवार देर शाम महलपारा निवासी शिखर उर्फ प्रिंस 19 महल पारा के पास चाकू की नोक पर लोगों को धमका रहा था। सूचना पर उसे गिरफ्तार किया गया और उसके पास से दो नग चाकू जब्त किया। इधर, कोतवाली थाना क्षेत्र में विधायक निवास के पास हसमुद्दीन खान 30, भी चाकू की नोक पर लोगों को डरा धमका रहा था। पुलिस ने सूचना पर उसे पकड़ा और चाकू जब्त किया। पुलिस ने दोनों ही मामले में युवकों के खिलाफ आर्म्स एक्ट 25-27 के तहत जुर्म दर्ज कर जांच में लिया है।

24 पौवा देशी प्लेन शराब एवं जुआ एक्ट के मामले में नगदी रकम 1000 एवं सट्टा पट्टी जप्त

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन एवं अति पुलिस अधीक्षक बेमेतरा पंकज पटेल, अति.पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन, एसडीओपी बेरला तेजराम पटेल, एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा के मार्गदर्शन में प्रतिदिन पूरे जिले में थाना, चौकी प्रभारियों के द्वारा अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा पर लगातार कार्यवाही की जा रही है।

जिसके तहत 09 जुलाई 2022 को थाना नवागढ पुलिस को जरिये मुखबीर से सूचना मिला कि हनुमान मंदिर के पास ग्राम झाल में प्रदीप साहू अवैध रूप से धन अर्जित करने की नियत से शराब रख कर बिक्री कर रहा है कि सूचना पर थाना नवागढ स्टाफ गवाहो के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा गया। जिसमें 01 प्रकरण में 01 आरोपी प्रदीप साहू पिता निरंजन साहू उम्र 21 साल साकिन झाल थाना नवागढ़ जिला बेमेतरा के कब्जे से 24 पौवा देशी प्लेन शराब ;4,320 कीमती 1920 बिक्री रकम 600 कुल जुमला रकम 2,520 को आबकारी एक्ट के तहत जप्त कर कार्यावाही किया गया। इसी क्रम में 09 जुलाई 2022 को थाना साजा पुलिस को जरिये मुखबीर के सुचना मिली कि ग्राम देऊरगांव चौक के पास में गौतम निषाद साकिन तिरियाभाट आम जगह में अंको पर से रूपया पैसो का हार जीत का दाव लगाकर सट्टा-पट्टी लिख कर जुआ खेला रहा है कि सूचना पर थाना साजा स्टाफ मौके पर पहुचकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया गया। आरोपी को अंको पर से रूपया.पैसो का हार.जीत का दाव लगाकर सट्टा-पट्टी लिखते रंगे हाथो पकड़े गये। जिसमें 01 प्रकरण में 01 आरोपी गौतम निषाद पिता रविलाल निषाद उम्र 30 साल साकिन तिरियाभाट थाना परपोडी जिला बेमेतरा के कब्जे से जुमला नगदी रकम 1000 एवं सट्टा,पट्टी, डांट पेन जप्त कर 4 ;क, जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया।

प्रदेश व्यापी रोका-छेका अभियान प्रारंभ

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

खरीफ फसलों की सुरक्षा के लिए इस वर्ष भी 10 जुलाई से प्रदेशव्यापी रोका-छेका का अभियान शुरू किया जा रहा है। इस दौरान फसल को चराई से बचाने के लिए पशुओं को नियमित रूप से गौठान में लाने हेतु रोका-छेका अभियान के अंतर्गत मुनादी कराई जाएगी। गौठानों में पशु चिकित्सा शिविर लगाकर पशुओं के स्वास्थ्य की जांच, पशु नस्ल सुधार हेतु बधियाकरण, कृत्रिम गर्भधान एवं टीकाकरण किया जाएगा। कलेक्टर जितेन्द्र कुमार शुक्ला ने बेमेतरा जिले के सभी चार जनपद पंचायत बेमेतरा,बेरला साजा एवं नवागढ़ के सीईओ को इसका क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि रोका-छेका हमारी पुरानी परंपरा है। राज्य में बीते सालों में भी यह अभियान चलाया गया थाए जिसका परिणाम बड़ा ही उत्साहजनक रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य में चालू खरीफ सीजन के दौरान 10 जुलाई से 20 जुलाई तक यह अभियान पुनः चलाया जा रहा है। उन्होंने इसकी सफलता के लिए सभी किसानों एवं पशुपालकों से सहयोग की अपील की है। राज्य में खरीफ फसलों की बुवाई तेजी से शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि हम सब जानते है कि फसलों की बुवाई के बाद किसानों की सबसे बड़ी चिन्ता फसलों की देखभाल और उसकी सुरक्षा की होती है। फसलों की सुरक्षा के लिए रोका.छेका का अभियान महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। इससे हमारी फसल और पशुधन दोनों सुरक्षित रहेंगे। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि रोका-छेका हमारी पुरानी परंपरा है। इसके माध्यम से हम अपने पशुओं को खुले में चराई के लिए नहीं छोड़ने का संकल्प लेते हैं। ताकि हमारी फसलों को नुकसान ना पहुंचे। पशुओं को अपने घरोंए बाड़ों और गौठानों में रखा जाता है और उनके चारे-पानी का प्रबंध करना होता है। पशुओं का रोका छेका का काम, अब गांव में गौठानों के बनने से आसान हो गया है। गौठानों में पशुओं की देखभाल और उनके चारे-पानी के प्रबंध की चिंता भी अब आपकों करने की जरूरत नहीं है। गौठान समितियां इस काम में लगी हैं। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि राज्य में पशुधन की बेहतर देखभाल हो, इस उद्देश्य से गांव में गौठान बनाए जा रहे हैं। अब तक हमनें 10,624 गौठानों के निर्माण की स्वीकृति दी है। जिसमें से 8408 गौठान बनकर तैयार हो गए हैं। गोठनों में आने वाले पशुओं को सूखा चारा के साथ-साथ हरा चारा उपलब्ध हो, इसके लिए सभी गोठनों में चारागाह का विकास तेजी से किया जा रहा है। राज्य के 1200 से अधिक गौठानों में हरे चारे का उत्पादन भी पशुओं के लिए किया जा रहा है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि बरसात के दिनों में ही पशुओं में गलघोटू और एकटंगिया की बीमारी होती है। पशुओं को इन दोनों बीमारियों से बचाने के लिए उनकी देखभाल इस मौसम में ज्यादा जरूरी है। रोका-छेका का अभियान भी इसमें मददगार होगा। गलघोटू और एकटंगिया बीमारी से बचाव के लिए पशुधन विकास विभाग द्वारा पशुओं को टीका लगाया जा रहा है। पशुधन हमारी संपत्ति है। इसकी देखभाल करें, खुले में चरने के लिए न छोड़े, इससे हमारी फसल और पशुधन दोनों सुरक्षित रहेंगे। कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने कहा है कि राज्य में खरीफ फसलों की सुरक्षा के लिए इस वर्ष भी रोका-छेका का अभियान संचालित किया जा रहा है। हमारे किसान भाईयों ने राज्य में बीते वर्ष रोका-छेका अभियान को सफल बनाया था। जिसके कारण राज्य में बम्फर फसल उत्पादन हुआ। गांवों में गौठानों के बनने से रोका-छेका का काम सहज हो गया है। किसान भाईयों अब अपने पशुओं की देखभाल और उनके चारे-पानी के प्रबंध की चिंता करने की जरूरत नहीं है, गौठानों में पशुओं के देखभाल एवं चारे-पानी का प्रबंध है।

आवश्यकता है

		पद
1. समाचार रिपोर्टर	-	3
2. कम्प्यूटर आपरेटर	-	1
3. ऑफिस कार्य के लिए	-	3

वेतन योग्यतानुसार

इच्छुक युवक/युवति अपना बायोडाटा के साथ संपर्क करें।

दैनिक जोहार छत्तीसगढ़

कार्यालय धरमजयगढ़

मो, 9479177711, 7489419194 ,7879121221

सियाराम बंजारे जिला ताईक्कांडों संघ के अध्यक्ष निर्वाचित

कोरबा । शनिवार को डीडीएम रोड स्थित हरिमंगल में आयोजित चुनाव के दौरान सदस्यों ने उन्हे संगठन का प्रमुख चुना है।

छत्तीसगढ़ ताइक्कांडों व जिला ओलंपिक संघ के तत्वावधान चुनवा शांति पूर्ण रहा। जिला ताइक्कांडो संघ के नवीन कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य ताइक्कांडो संघ के महासचिव रामपुरी गोस्वामी, जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष सुरेश क्रिस्टोफर सचिव जिला ओलंपिक संघ की देखरेख में संगठन के पदाधिकारियों का निर्वाचन कार्य पूरा हुआ। जिले के ताइक्कांडो संघ की नई कार्यकारिणी में संरक्षक रिशु अग्रवाल, उपाध्यक्षों में शत्रुघ्न ताती, अविनाश बंजारे व शुभ्रा सिंघाई, सचिव दुर्गेश साहू, सहसचिव प्रेम राज बंजारे, सुयश चंद्रा, किरण निराला, कोषाध्यक्ष चंद्रकांत साहू एवं कार्यकारिणी सदस्यों की सूची में राजेंद्र पटेल, प्रमोद यादव, राजा सोनी, स्नेहा बंजारे, देवाशीष कश्यप चुने गए। वार्षिक साधारण सभा की बैठक में इस बार 17 वीं राज्य स्तरीय ताईक्कांडो प्रतियोगिता का आयोजन कोरबा में करने का दायित्व दिया गया है।

सवालों के घेरे में वन विभाग वन विनाश जारी, कुम्भकरणी निद्रा में लीन हैं वन अधिकारी

जोहार छत्तीसगढ़-पंडरिया

जंगल और पर्यावरण को बचाने के लिए केंद्र और राज्य दोनों ही शासन की ओर से बातें तो बहुत की जाती है। पर इन नाकाफी कोशिशों की जमीनी हकीकत कुछ और है। यहां तक कि वन सुरक्षा समिति और बीट गार्ड भी अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से नहीं निभा रहे हैं। इससे जंगल में अब केवल ठूंठ नजर आ रहे हैं। वन विभाग की निष्क्रियता का आलम यह है कि जंगल की निगरानी के लिए वन विभाग की ओर से तैनात किए गए रेंजर और बीट गार्ड को भी मामले की जानकारी होने पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। घने जंगलों के भीतर अवैध कटाई का सिलसिला पहले से ही जारी है। एक तरफ वनों को संरक्षित करने के लिए पौधे लगाने की पहल की जा रही है। वहीं दूसरी ओर जंगल के पेड़ों को काटा जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दमगढ़ बिट कक्ष क्रमांक 47 में सागौन प्लाट है जहां अवैध कटाई के चलते पूरे ठूठ में तब्दील हो गई है पर भी जिमेदार कोई ठोस गदम नहीं उठा रहे हैं तस्करों के द्वारा बड़े पैमाने पर बेशकीमती पेड़ों की अंधाधुंध कटाई करते हुए लकड़ी की तस्करी की जा रही है। साथ ही वन भूमि पर बेसकीमती पेड़ों की कटाई कर कब्जे का खेल भी जारी है। तो वहीं वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी मूक दर्शक बने हुए हैं। वन विभाग के द्वारा प्रत्येक वर्ष वनों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए योजना बनाई जाती है। लेकिन ये सिर्फ कागजों में ही सिमट कर रह गई है। वंही घने पेड़ो की कटाई से वन्य प्राणियों के जीवन पर भी संकट उत्पन्न हो गया है।

दमगढ़ कुई बीट में आए दिन इमारती वृक्षों की कटाई होती है

पंडरिया वन परिक्षेत्र अंतर्गत आने वाले दमगढ़ व कुई बीट में लगे शाल सागौन जैसे पेड़ों की अवैध कटाई जारी हैं। जिन पेड़ों की कटाई की जा रही है, वे बढ़ते हुए पेड़ हैं, यहां बड़े बड़े सिल्प्ट बल्ली का भी तस्कर की जाती है पर भी वन विभाग जानबूझकर इससे अनजान बना हुआ है। वही स्थानीय कुछ वन प्रेमियों ने बताया कि अगर पेड़ों की कटाई की जानकारी हमारे द्वारा स्थानीय बीट गार्ड,डिप्टी या रेंजर को दी जाती है फिर भी कोई प्रकार का कार्यवाही नही करते जो समझ से परे है।

एक ही बिड गार्ड को दो जगह का प्रभार

दमगढ़ बिट और कुई बीट एक ही बिड गार्ड देख रेख कर रहे हैं। जिसके चलते हो सकता है देख रेख करने में दिकते आ रहा होगा जिसके चलते अवैध कटाई पर अंकुश नहीं लग पा रही है।

उड़नदस्ता टीम आखिर इनके ऊपर क्यों हैं महेरबान

डीविजन से तीन से चार महीने में उड़नदस्ता टीम हर बिट में जाते हैं जांच करने पर भी जिम्मेदार कर्मचारियों के ऊपर क्यों नहीं करते कार्यवाही कुछ चुनिंदा लोगों के ऊपर कार्यवाही कर वाहवाही लूटने में लगे रहते हैं। इससे सक के घेरे में है उड़नदस्ता टीम अब देखने वाली बात है क्या एक्शन लेते है इनके ऊपर उच्च अधिकारी।

ईदगाह में अदा की गई बकरीद की नमाज

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

इस्लाम धर्म का दूसरा सबसे बड़ा त्योहार ईद उल अजहा यानी बकरीद है। इस मौके पर रतनपुर के जमात के लोगों ने ईदगाह में बकरीद की नमाज अदा की गई। इस दौरान काफी संख्या में नमाजी जुटे। बता दें कि देश में आज बकरीद का त्योहार मनाया जा रहा है। बकरीद को ईद.उल.अजहा भी कहा जाता है। बकरीदए मुस्लिम समाज के प्रमुख त्योहारों में से एक है। मुस्लिम समुदाय के लोग इस त्योहार पर बकरे की कुर्बानी देते हैं। देश में रविवार यानी 10 जुलाई को मुसलमानों का दूसरा सबसे बड़ा त्योहार ईद.उल.अजहा मनाया जाएगा। इसे आमतौर पर बकरीद के नाम से भी जान जाता है। इस्लामी कैलेंडर के मुताबिक, आखिरी माह जूं अल हज्जा में बकरीद मनाई जाती है। इस त्योहार को त्याग और कुर्बानी के तौर पर मनाया जाता है। कुर्बानी के साथ ही जमात और नमाज अदाकर सलामती की दुआ की जाती है। बकरीद को मनाने का भी अपना एक इतिहास है। इसका इतिहास अल्लाह के पैगंबर हजरत इब्राहिम से जुड़ा हुआ है। इस्लाम धर्म की मान्यताओं के मुताबिक, हजरत इब्राहिम ने जब अपने बेटे की कुर्बानी देने का निश्चय किया तभी इस पर्व की नींव पड़ी रतनपुर हाफिज मोहम्मद हुसैन ने बकरीद की नमाज ईदगाह में पढ़ाई देश और प्रदेश के लिए खुशहाली की दुआ मांगी गई सभी इस्लामी भाई नमाज के बाद एक दूसरे से गले मिले एक दूसरे को मुबारकबाद दिया उसके बाद सभी के घर में बकरी की कुर्बानी की गई।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in